प्रशिक्षण रिपोर्ट

तिलापिया के स्वास्थ्य प्रबंधन पर जागरूकता-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम

(09 से 11, अक्टूबर, 2023)

संस्थान के जलीय पर्यावरण एवं स्वास्थ्य विभाग ने तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय रेफरल प्रयोगशाला परियोजना और जलीय पशु रोग पर राष्ट्रीय निगरानी कार्यक्रम (NSPAADII) के तहत संयुक्त रूप से "तिलापिया के स्वास्थ्य प्रबंधन" पर जागरूकता-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पांच तिलापिया किसानों और राज्य मत्स्य पालन विभाग, महाराष्ट्र के तीन अधिकारियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जागरूकता पैदा करना और मछली स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में तकनीकी जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. एनपी साहू ने किया, जिन्होंने किसानों के लिए जलीय कृषि और स्वास्थ्य प्रबंधन अभ्यास पर प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया। किसानों ने तिलापिया की खेती में सामना कर रहे अपनी चिंताएं और चुनौतियां साझा कीं । तीन दिवसीय प्रशिक्षण में अनुमानित रोग निदान, महत्वपूर्ण मछली रोगजनकों, सर्वोत्तम जलीय कृषि और मछली स्वास्थ्य प्रबंधन प्रथाओं की बुनियादी बातों को शामिल किया गया। प्रशिक्षण में उभरते और चुनौतीपूर्ण मछली रोगजनकों, उपाय, सर्वोत्तम जलीय कृषि प्रबंधन प्रथाएं, बैक्टीरिया, फंगल और परजीवी रोग निदान के लिए नमूनाकरण के साथ-साथ तिलापिया साइट पर कीटाणुशोधन और स्वच्छता के लिए प्रोटोकॉल नमूनाकरण, और पानी और मिट्टी का विश्लेषण,राष्ट्रीय रोग निगरानी कार्यक्रम का अवलोकन, जैव सुरक्षा पर व्याख्यान और व्यावहारिक अभ्यास शामिल थे। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम से संतुष्टि व्यक्त की। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. मेघा कदम बेडेकर,विभागाध्यक्ष एईएचएम और डॉ. के पानी प्रसाद, प्रधान वैज्ञानिक, एईएचएम द्वारा पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में किया गया था, और डॉ. गायत्री त्रिपाठी, प्रधान वैज्ञानिक, एईएचएम द्वारा समन्वयित किया गया था। संसाधन व्यक्ति डॉ. विद्या श्री भारती, वरिष्ठ वैज्ञानिक एईएम, डॉ. माधुरी पाठक, वैज्ञानिक, एक्वाकल्चर, डॉ. कपिल शुखधाने, वैज्ञानिक, एक्वाकल्चर और डॉ. नलिनी पुजारी, सीटीओ, एईएचएम थे।

ICAR-CIFE